Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding battle of Pathorighat in Assam.

श्री दिलीप शइकीया (मंगलदोई): मेरे संसदीय क्षेत्र मंगलदोई के डारा जिले में 28 जनवरी सन 1894 की यह घटना लोकप्रिय रूप से पथरुघटार रान (पथरुघाट की लड़ाई) के रूप में जाना जाता है । मेरे संसदीय क्षेत्र मंगलदोई से लगभग 70 किलोमीटर दूर दरांग जिले में 118 साल पहले ब्रिटिश सैन्य पुलिस ने भीषण नरसंहार करते हुए 140 निहत्थे किसानो को मार डाला था । यह आदेश तत्कालीन जे आर बेरिंगटन, सैन्य पुलिस के कार्यवाहक कमांडेंट थे, उनके आदेश पर सैकड़ों किसानों को गोली मार दी गयी थी । इस घटना के हिंसक स्वरुप को देखते हुए इस घटना को असम के जलियांवाला बाग की घटना के रुप में जाना जाता है ।"पथोरीघाट का नरसंहार जलियांवाला बाग हत्याकांड जितना ही महत्वपूर्ण है । वास्तव में, 1857 के सिपाही विद्रोह के बाद, भारत के स्वतंत्रता संग्राम में पाथोरीघाट की घटना सबसे बड़ी मानी जाती हैं । लेकिन राष्ट्रीय स्तर के इतिहास में पाथोरीघाट का कोई उल्लेख नहीं है।

अत: मेरा माननीय संस्कृति मंत्री जी से निवेदन है कि जलियांवाला की तर्ज पर पाथरीघाट को भी राष्ट्रीय स्तर पर एक मेमोरियल के रुप में विकसित किया जाए तथा मारे गये शहीद किसानों के परिवार को भी पूर्ण रुप से राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाया जाएं ।